संक्षिप्त समाचार

सिंगल माल्ट को वैश्विक स्तर पर मिले प्रमुखता

भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की की पहचान और वैश्विक स्तर को आकार देने के एक

निर्णायक कदम के रूप में, जुलाई 2024 में गठित भारतीयमाल्ट व्हिस्की एसोसिएशन (आईएमडब्ल्यूए), भारतीय माल्ट व्हिस्की एसोसिएशन की गुणवत्ता, प्रामाणिकता और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता की वकालत करने वाली एक प्रमुख संस्था के रूप में उभरी है। केवल एक वर्ष के भीतर एसोसिएशन ने भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की को घरेलू और वैश्विक स्तर पर एक प्रीमियम, लक्जरी श्रेणी के रूप में स्थापित करने की नींव रखी है।

मयूर संवाद के साथ एक विशेष बातचीत में आईएमडब्ल्यूए के महानिदेशक (मेजर जनरल, सेवानिवृत्त) राजेश चोपड़ा ने बताया कि उनका एसोसिएशन स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन ऑफ स्कॉटलैंड आयरिश व्हिस्की एसोसिएशन और जापानी स्पिरिट्स एवं लिकर मेकर्स एसोसिएशन जैसे वैश्विक समकक्षों से प्रेरित है जिसका उद्देश्य भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की जो भारत की विरासत है को संरक्षित, सुरक्षित और बढ़ावा देना है। चोपड़ा ने कहा कि त्रि-आयामी दृष्टिकोण के तहत, एसोसिएशनने हितधारकों के लिए मजबूत अनुपालन और लेखा परीक्षा तंत्र सुनिश्चित करने के लिए ऋरअक अढएऊअ (खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय) जैसे नियामक प्राधिकरणों के साथ गंभीर बातचीत शुरू कर दी है।

चोपड़ा ने कहा, 'हम लगातार प्रगति कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि केवल वास्तविक उत्पादक ही आईएमडब्ल्यूए के दायरे में आएँ।'

'हमारे गुणवत्ता मानक कड़े लेकिन समावेशी हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हम सदस्यों से एक ही डिस्टिलरी में 100 प्रतिशत माल्टेड जौ का उपयोग करके उत्पादन करने, तांबे के पॉट स्टिल का अनिवार्य उपयोग करने और ओक बैरल में कम से कम तीन साल की परिपक्वता सुनिश्चित करने की अपेक्षा करते हैं।' उन्होंने कहा कि आईएमडब्ल्यूए के मानकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है, जिसमें स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन, यूके भी शामिल है।

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, चोपड़ा ने कहा कि भारतीय सिंगल माल्ट बाजार 2024 और 2032 के बीच 12.6 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है। 2023 में 6.75 लाख केस बिके, जिनमें से 3.45 लाख भारतीय ब्रांड (53 प्रतिशत थे। उन्होंने कहा कि आयातित सिंगल माल्ट की तुलना में भारतीय ब्रांडों में 23 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

केपी ग्रुप ने नवीकरणीय ऊर्जा में राष्ट्रीय विस्तार योजनाओं के साथ विकास को गति दी

संवाददाता (दिल्ली) भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी नाम केपी ग्रुप, 2030 तक 10 गीगावाट क्षमता तक पहुंचने के स्पष्ट लक्ष्य के साथ अपने विस्तार को आगे बढ़ा रहा है। गुजरात में पहले से ही चल रही परियोजनाओं के साथ, यह ग्रुप राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसे मजबूत ऑर्डर बुक और सरकारी साझेदारियों का समर्थन प्राप्त है।

केपी ग्रुप ने 2.6 गीगावाट से अधिक क्षमता वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए गुजरात, ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, साथ ही अन्य राज्यों में नए अवसरों की तलाश भी कर रहा है। यह ग्रुप अब तक 2.05 गीगावाट क्षमता वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को ऊर्जा प्रदान कर चुका है और 3.2 गीगावाट से अधिक के ऑर्डरों की पुष्टि कर चुका है।

केपी ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, डॉ. फारुक जी पटेल ने कहा, हमारा ध्यान ऊर्जा के भविष्य पर है। भारत में स्वच्छ ऊर्जा की माँग तेजी से बढ़ रही है और हम इसे पूरा करने में एक सार्थक भूमिका निभाना चाहते हैं। राज्य सरकारों, खासकर गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा के साथ हमने जो साझेदारियाँ की हैं, वे तो बस एक शुरूआत हैं। हम आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भी अवसरों का मूल्यांकन कर रहे हैं। जबकि महाराष्ट्र में काम शुरू हो चुका है। हम सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं के जरिए 10 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा क्षमता को पार करने की राह पर हैं।

26 साल में 600 प्रत्यारोपण, 25 बच्चों की कहानी दुनिया के सामने लाया अपोलो

देश में बाल यकृत प्रत्यारोपण के क्षेत्र में अपोलो अस्पताल ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। 600 सफल प्रत्यारोपण पूरे करने के मौके पर अस्पताल ने एक विशेष किताब लॉन्च की है जिसे वरिष्ठ बाल यकृत रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुपम सिब्बल और डॉ. स्मिता मल्होत्रा ने लिखा है। इस किताब में उन 25 बच्चों की सच्ची कहानियां हैं जिन्होंने गंभीर बीमारी से जूझते हुए प्रत्यारोपण के बाद नया जीवन पाया है।

इस किताब की भूमिका भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने लिखी है जिसमें उन्होंने लिखा कि ये सिर्फ चिकित्सा विज्ञान की कहानियां नहीं हैं बल्कि इंसानी जिजीविषा और साहस की गाथाएं हैं।

उनके शब्दों में, जैसे क्रिकेट का हर मैच असली और अनगढ़ होता है, वैसे ही इन बच्चों की कहानियां भी पूरी तरह सच्ची और पारदर्शी हैं जो जीवन और मौत के बीच जंग की असल दास्तां हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि क्रिकेट की तरह इस किताब की हर कहानी सच्ची है, इसमें कुछ भी बनावटी नहीं है। यह पूरी तरह से काली और सफेद है।

इस किताब में 25 परिवारों की असली जीवन यात्राओं का विस्तार से जिक्र है। इसमें न सिर्फ चिकित्सा प्रक्रियाओं और वैज्ञानिक प्रगति को दिखाया गया बल्कि यह भी बताया कि कैसे बच्चे और उनके माता-पिता कठिन हालात में भी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ते। इन कहानियों के जरिए डॉक्टरों ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं, बल्कि इंसानियत और साहस का संगम भी है।

दरअसल किताब ऐसे समय में प्रकाशित हुई है जब भारत बाल यकृत प्रत्यारोपण में लगातार नए मानक स्थापित कर रहा है। यह किताब सिर्फ उपलब्धियों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि समाज के लिए यह संदेश भी है कि हर कठिन परिस्थिति में उम्मीद की किरण जिंदा रखनी चाहिए।

साल 1998 में अपोलो अस्पताल ने भारत का पहला सफल बाल यकृत प्रत्यारोपण किया। तब से लेकर अब तक 26 साल बाद 600 प्रत्यारोपण पूरे होने को न केवल चिकित्सा विज्ञान की सफलता माना जा रहा है, बल्कि यह भारत की स्वास्थ्य प्रणाली के लिए भी एक मील का पत्थर है।

कुशल, नैतिक और दूरदर्शी नेतृत्व ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी है : अनुराग सिंह ठाकुर, एफसीपीएलजी तर्क मंच, नई दिल्ली में

संवाददाता (दिल्ली)*: फोर सेंटर फॉर पॉलिटिकल लीडरशिप एंड गवर्नेंस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर को सम्मानित किया तथा अपनी अंतर-महाविद्यालयीय वाद-विवाद प्रतियोगिता तर्क मंच के विजेताओं को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय ऑडिटोरियम, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर के मुख्य अतिथि थे पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर, जो वर्तमान में लोकसभा के माननीय सदस्य एवं कोयला, खदान एवं इस्पात संबंधी नसंसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। कार्यक्रम में नीतिगत विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शासन एवं सार्वजनिक नेतृत्व में योगदान देने की आकांक्षा रखने वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो ज्ञान और प्रबोधन के प्रतीक के रूप में मनाया गया।

मुख्य भाषण देते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि आज भारत को कुशल, नैतिक और दूरदर्शी नेतृत्व की आवश्यकता है। सच्चा नेतृत्व ऊँचे पदों या बड़े मंचों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि उन दैनिक कार्यों पर आधारित होता है जो वास्तविक बदलाव लाते हैं।

उन्होंने आगे कहा, भारत की सबसे बड़ी ताकत उसके 40 करोड़ युवा नागरिक हैं, जो विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। युवाओं को शासन और नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदारी करनी होगी और वंशवाद की राजनीति जैसी चुनौतियों के प्रति सतर्क रहना होगा। लोकतंत्र में नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें, न कि अंधी निष्ठा की माँग करें।

सभा को संबोधित करते हुए एफसीपीएलजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अभय आनंद तिवारी ने कहा, हम भविष्य के ऐसे नेताओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो मूल्यों में निहित हों और आने वाले समय की चुनौतियों का समाधान कर सकें। यह सम्मान और वाद-विवाद प्रतियोगिता हमारे मिशन को दर्शाता है, जिसके माध्यम से हम युवाओं को विचारों से जुड़ने, दृष्टिकोण को परिष्कृत करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सार्थक योगदान देने के लिए मंच प्रदान करते हैं।

फोर के चेयरमैन डॉ. बी.बी.एल. माधुकर ने अपने विशेष संबोधन में कहा, भारत की जनसांख्यिकीय बढ़त हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। संवाद, वाद-विवाद और परामर्श को बढ़ावा देकर एफसीपीएलजी युवाओं को जिम्मेदारी निभाने, आलोचनात्मक सोच विकसित करने और नेतृत्व भूमिकाएँ निभाने के लिए सशक्त बनाना चाहता है।

फोर के वाइस चेयरमैन डॉ. विनयशील गौतम ने भी नेतृत्व की चुनौतियों और जिम्मेदारियों पर अपने विचार साझा किए।

पुरस्कार वितरण समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों एवं फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने अपनी वाद-विवाद प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके बाद श्री ठाकुर के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को शासन और राजनीतिक प्रक्रियाओं पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। समारोह का समापन डॉ. अभय आनंद तिवारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी विशिष्ट अतिथियों, विद्यार्थियों और प्रतिभागियों की उपस्थिति की सराहना की। इसके बाद नेटवर्किंग लंच आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विचार-विमर्श और सार्थक संवाद का आनंद लिया।

फोर सेंटर फॉर पॉलिटिकल लीडरशिप एंड गवर्नेंस के बारे में फोर सेंटर फॉर पॉलिटिकल लीडरशिप एंड गवर्नेंस शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण के माध्यम से राजनीति और शासन में अगली पीढ़ी के नेताओं को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।